

म्रसाधारस

EXTRAORDINARY

भाग **I—सण्ड** 1 PART I—Section 1

प्रापिकार से प्रकाशित



# PUBLISHED BY AUTHORITY

Rf • 320]

नई बिल्ली, हानिवार, विसम्बर, 29, 1973/पीप 8, 1895

Ve. 320]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29, 1973/PAUSA 8, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के सप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

#### MINISTRY OF COMMERCE

## RESOLUTION

New Delhi, the 29th December 1973

Subject.—Setting up a High-powered Study Team to study the problems of the Handloom Industry.

No. 4/100/73-Tex.IV.—The Fifth Five Year Plan has emphasised that high priority should be given to programmes which provide maximum employmen and are aimed at raising the income levels of those sectors of society which are living at present below the poverty line. In order to achieve these objectives, it has been decided inter alia that special attention be paid to the development of handloom sector. The All India Handloom Conference held in New Delhi on the 20th September, 1973 which was attended by prominent non-officials from the handloom field and by senior officers from the State and Union Territories, had also recommended that the problems of handloom industry and the weavers should be studied in depth before development schemes for the Fifth Plan period could be formulated.

2. In pursuance of the foregoing, Government have decided to constitute a High-powered Study Team to study the problems of the handloom industry and weavers. The tudy Team will consist of the following—

#### Chairman

(1) Shri B. Sivaraman, Vice-Chairman, National Commission on Agriculture and Member, Planning Commission, New Delhi,

#### Members

- (2) One representative each of the Government of:
  - (i) Andhra Pradesh
  - (ii) Assam
- (iii) Jammu & Kashmir.
- (iv) Karnataka.

- (v) Maharashtra.
- (vi) Manipur
- (vli) Tamil Nadu, and
- (vili) Uttar Pradesh
- (Note.—The State Governments concerned will be represented on the Study Team by the senior most officers dealing with handlooms, preferably of Secretary's rank)
- (3) Shri Konda Lakshman Bapuji 'Jayabarusayam' 6-1-2/1, Secretariat Road, Hyderabad,
- (4) Shri Abid Ali Ansari, M.L.A. 27-Darual Shaifa, Lucknow.
- (5) Smt. Pupul Jayakar Chair, Handicrafts and Handlooms Export corporation, Rouse Avenue, New Delhi.
- (6) Shri M. Somappa, President, All India Handloom Fabrics Marketing Cooperative Society Ltd., 211-219, Bharti Bhavan, Frere Road, Bombay-400001.
- (7) Shri T. R. S. Vijayaraghavachari, Director, Tamil Nadu Handloom Finance and Trading Corporation, Ltd., Madras.
- (8) Shri Mani Narayanswami, Joint Secretary, Ministry of Commerce, New Delhi.
- (9) Shri S. K. Bagchi, Textile Commissioner, Post Box No. 11500, Bombay-400020.

## Member-Secretary

- (10) Shrl A. N. Varma, Director, Ministry of Commerce, New Delhi.
- 3. The terms of reference of the Study Team shall be.
  - To suggest programmes for development of the handloom industry in the Fifth Plan;
  - (ii) To suggest measures for the maximum utilisation of the export potential of the handloom sector;
  - (iii) To suggest measures for building infra-structure and providing adequate inputs, particularly finance to the handloom sector; and
  - (iv) To review the position regarding reservation and to suggest changes in policy, if necessary.
- 4. The Study will submit its report as expeditiously as possible but latest by the 31st March, 1974.

#### ORDER

Ordered that the Resolution shall be published in the Gazette of India. Ordered also that copies of the Resolution shall be sent to all concerned

R. TIRUMALAI, Add. Secy.

# वाणिषय मत्रातय

## संकल्प

# नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1973

विषय :—हथकरघा उद्योग की समस्याश्रों का श्रध्ययन करने के लिए उच्चशकित प्राप्त श्रध्ययन दल की स्थापना।

सं० 4/100/73—टैक्स-4.—पांचवीं पंचतर्पीय योजना में इस बात पर बल दिया गया है कि उन कार्यक्रमों को उच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिनसे प्रधिकतम रोजगार की सुविधायें उपलब्ध होती हैं थ्रौर जिनका उद्देश्य समाज के उन वर्ग की, जो इस समय निर्धनता के स्तर से नीचे जीवन निर्वाह कर रहेहैं, श्राय के स्तर बढ़ाना है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए भ्रन्य बातों के साथ साथ यह विनिध्चय किया गया है कि हथकर घा क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाये। 20 दिसम्बर, 1973 को नई दिल्ली में जो भ्रखिल भारतीय हथकर घा सम्मेलन हुआ था भ्रीर जिसमें हथकर घा के द्व से प्रमुख गैर-सरकारी भ्रधिकारियों भ्रीर राज्य तथा संघ-राज्य क्षेत्रों से विरिष्ठ भ्रधिकारियों ने भाग लिया था, उसमें भी यह सिफाणिण की गई थी कि पांचवीं योजना श्रवधि के लिए विकास योजनाएं बनाने से पूर्व हथकर घा उद्योग क्षथा बुनकरों की समस्याभ्रों का गंभीरतापूर्वक श्रध्ययन किया जाना चाहिए।

2. उपर्युक्त के अनुसरण में सरकार ने हथकरवा उद्योग तथा बुनकरों की समस्याओं का अध्ययन करने के लिए एक उच्चणिक्त प्राप्त अध्ययन दल गठित करने का विनिण्चय किया है। अध्ययन दल में निम्नांकत होंगे :--

ग्रध्यक्ष

1. श्री बी० शिवरामन,

उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि श्रायोग तथा सदस्य, योजना श्रायोग, नई विल्ली।

सदस्य

- 2. इन सरकारों का एक-एक प्रतिनिधि।--
  - (1) भ्रांध्र प्रदेश
  - (2) श्रासाम
  - (3) जम्मू तथा काश्मीर
  - (4) कर्नाटक
  - (5) महाराष्ट्र
  - (6) मणिपुर
  - (7) तमिल नाडू तथा
  - (8) उत्तर प्रदेश

(नोट.—सविधित राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व ग्रध्ययन दल में हथकरघा सम्बन्धी कार्यों को करने वाले सब से घरिष्ठ ग्रधिकारी, विशेषतया सचिव के स्तर के ग्रधिकारी करेंगे)

3. श्री कोन्डा लक्ष्मण बापूजी, 'जयाबारू सयाम'

> 6-1-2/1, सेऋंटेरियेट रोड, हैदराबाक्ष:

- 4. श्री भाबिद भ्रली भ्रसारी, सदस्य विभान सभा, 27, दाकल शफा, लखनऊ:
- 5. श्रीमती पुपुल जयाकार; श्रध्यक्ष, हस्तिशिल्प तथा हथकरघा निर्यात निगम, राउज एकेन्यु, नई दिल्ली :

- 6. श्री एम० सोमप्पा,
  ग्रम्बक्ष, श्रिक्षल भारतीय हथकरघा,
  वस्त्र विपणन सहकारी समिति लि॰,
  211-219, भारतीय भवन,
  फरेरे रोड, बम्बई --400001
- 7. श्री टी० धार० एस० विजयराघवाचारी, निदेशक, तमिलनाडू हथकरघा विश्व तथा ब्यापार निगम, लि०, मद्रास :
- श्रीमणि नारायणस्वामी, संयुक्त सचिव, वाणिज्य मत्नालय, नई दिल्ली।
- श्री एस० के० बागची.
   वस्त्र प्रायुक्त,
   पी० बा० स० 11500,
   बम्बई-400020.

# सदस्य--सचिव

- 10. श्री ए० एन० वर्मा, निदेशक, वाणिज्य मत्नालय, नई दिल्ली :
- 3, भ्रष्ट्ययन दल की शर्तेये होंगी:--
  - (1) पांचवीं योजना में हथकरघा उद्योग के विकास के लिए कार्यक्रम सुझाना ;
  - (2) हथकरघा क्षेत्र की निर्यात सम्भाव्यता से अधिकतम उपयोग के लिए उपाय सुझाना ;
  - (3) हथकरघा क्षेत्र के लिए प्रवस्थापना का निर्माण करने तथा पर्याप्त भन्तार्निवेश विशेष रूप से विला प्रदान करने के लिए उपाय सुझाना; भौर
  - (4) परिरक्षण सम्बन्धी स्थिति का पुर्नावलोकन करना तथा यदि आवश्यक हो तो मीति में परिवर्तन सुझाना :
- 4. श्रध्ययन दल श्रपनी रिपोर्ट यथाणीध त्रेकिन देर से देर 31 मार्च, 1974 तक प्रस्तुत करेगा :

## प्रादेश

श्रादेश दिया जाता है कि सकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये । यह ग्रादेश भी दिया जाता है कि संकल्प की प्रतियां सभी सम्बन्धों को भेजी जायें।

मार० तिरुमलाई, ग्रपर सचिव।